Mere Nath!   மேரே நாத்!   मेरे नाथ!   میرے رب!   মেরে নাথ!

Swami Ramsukhdasji's
Voice Recording & Sankirtan Machine

1) अवतरण सन्देश
4) रामा श्री रामा
2) हरे राम हरे कृष्ण
5) हरि: शरणम
3) श्रीमन्न नारायण
6) Auto Repeat

शरणानन्दजी के समान मैं मानता नहीं हूँ किसी सन्त को। उनसे बढ़कर महात्मा मेरे को दिखता नहीं है। बड़े-बड़े दर्शन-दार्शनिक पण्डितों में भी हलचल मच जाएगी। ज्ञानयोग में, भक्तियोग में, कर्मयोग में अकाट्य बातें बताई है। छहों दर्शनों से निराला दर्शन है उनका।
- रामसुखदासजी महाराज

ECHO HAMMERING

KMSS
79888 86115

मज़हब सम्प्रदाय की उलझनें शरणानन्दजी से ही सुलझेगी !

प्राणी सेवा ही प्रभु पूजा है। हर घटना भगवान की लीला है दूरभाष C/o 79888 86115

PAN : AAAAK8986G

करनाल मानव सेवा संघ (रजि०)

नजदीक बस स्टैण्ड, पुराना जी.टी. रोड, करनाल-132 001 (हरियाणा)

दान दी गई राशि आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G(5) के अन्तर्गत आदेश संख्या 02 OF 2010-11 दिनांक 12.04.2010 आयकर से मुक्त हैं।

कार्य उसी का सिद्ध होता है जो दूसरों के काम आता है। सबल व निर्बल की एकता ही समाज का सुन्दर चित्र है।

दिनांक : ....

रामसुखदासजी महाराज का अवतरण सन्देश आसमान से लेकर ब्रह्माण्ड (Galaxy) तक फैलाने के पवित्र उद्देश्य से ही यह संकीर्तन मशीन तथा क्रान्तिकारी पेम्प्लेट बनाया गया है।

150 Sankirtan Machine From Gondal

Door Delivery Freight Paid. Weight 26 KG

To,

From: **Yogesh Modi (For KMSS) Mo: 98209 51911** 402/A, Pancham No.2, Iraniwadi Road No.2, Near Indian Bank, **Kandivali (W), Mumbai-400067**

शरणानन्दजी के समान मैं मानता नहीं हूँ किसी सन्त को। उनसे बढ़कर महात्मा मेरे को दिखता नहीं है। बड़े-बड़े दर्शन-दार्शनिक पण्डितों में भी हलचल मच जाएगी। ज्ञानयोग में, भक्तियोग में, कर्मयोग में अकाट्य बातें बताई है। छहों दर्शनों से निराला दर्शन है उनका। -रामसुखदासजी महाराज

चरित्र बल ही महान बल है। अभिमान ह्रास का मूल है। प्रभु कृपा का सहारा ही महान सहारा है।

रामसुखदासजी महाराज का अवतरण सन्देश ब्रह्माण्ड (Galaxy) तक फैलाने के लिए यह संकीर्तन मशीन बनाया है।

शरणानन्दजी के समान मैं मानता नहीं हूँ किसी सन्त को। मेरे हृदय में बात है यह। और मेरी दृष्टि में बहुत अच्छे महात्मा है वो। उनसे बढ़कर महात्मा मेरे को दिखता नहीं है। ऐसी विचित्र बातें बताई है जो आदमी के एकदम कान खुल जाएँ आंख खुल जाएँ। बड़े-बड़े दर्शन / दार्शनिक पण्डितों में भी हलचल मच जाएगी। मेरे मन से अगर आप पूछो तो नए दार्शनिक थे। ज्ञानयोग में, भक्तियोग में, कर्मयोग में विलक्षण बातें बताई है। अकाट्य है, उनकी बातों को काट नहीं सकता कोई, खंडन नहीं कर सकता। छहों दर्शनों से निराला दर्शन है उनका। -Voice Recording of Ramsukhdasji

कुछ न चाहो, काम आ जाओ.

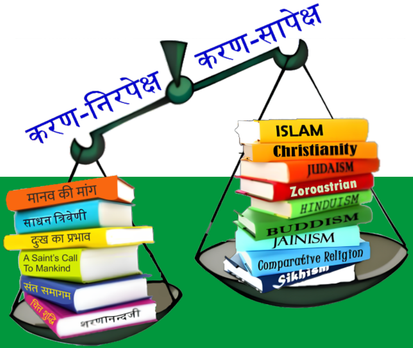

कोई और नहीं, कोई गैर नहीं.

गीतामर्मज्ञ रामसुखदासजी ने विश्व को सत्य के अनुयायी बनने का परामर्श दिया है, व्यक्ति या सम्प्रदाय का नहीं क्योंकि जब तक प्राणी अपनेको व्यक्तित्व, कुटुम्ब, वर्ग, जाति और देश की ममता में आबद्ध रखता है, तब तक उसका जीवन विश्व के लिए उपयोगी सिद्ध नहीं होता।

ECHO HAMMERING 2

रामसुखदासजी महाराज की मानव-मात्र को एकमत करनेवाली अभूतपूर्व अवतरण खोज को ब्रह्माण्ड (GALAXY) में फैलाने के लिए भगवान को बार-बार आकाशवाणी करनी पड़ेगी कि- शरणानन्दजी के समान मैं मानता नहीं हूँ किसी सन्त को। मन्दिर, मस्जिद, चर्च आदि के देवी-देवताओं को तथा वेदलक्षणा गोमाता, गंगा, गीता को भी रामसुखदासजी की पवित्र वाणी सुनानी पड़ेगी कि- शरणानन्दजी के समान मैं मानता नहीं हूँ किसी सन्त को। बिजली के कडाकों में, पहाड़ों के प्रतिध्वनि में रामसुखदासजी की एक ही हितैषी गूंज ECHO होनी चाहिए कि- शरणानन्दजी के समान मैं मानता नहीं हूँ किसी सन्त को । लोगों की मझहब, सम्प्रदाय, गुरु तथा व्यक्ति की आसक्ति तोड़ने के लिए रामसुखदासजी के क्रान्तिकारी वचन को बार-बार HAMMERING करना होगा कि- शरणानन्दजी के समान मैं मानता नहीं हूँ किसी सन्त को। हम सभी को सत्य के अनुयायी बनाने के लिए रामसुखदासजी का यह संकीर्तन मशीन जोर से बोल रहा है कि- शरणानन्दजी के समान मैं मानता नहीं हूँ किसी सन्त को।

Audios of Sharnanadji

Santo Ka Khazana

शरणानन्दजी महाराज की दो यूट्यूब लिंक हैं। एक link में उनके प्रवचनों को सुनते-सुनते पढ़ने की दुर्लभ व्यवस्था हैं तो दूसरी link में उनके प्रति अनेकों सन्तों के विचार की Videos हैं।

Click Both QR.

सब का साथ - सब का विकास

विश्व हितैषी स्वामी रामसुखदासजी के हृदय में ही सत्य अर्थात शरणानन्दजी है। इसलिए गीताप्रेस आदि से प्रकाशित उनकी करोडों पुस्तकों तथा असंख्य प्रवचनों का अवलोकन करने पर आपको शरणानन्दजी की क्रान्तिकारी बातों के अंश मिलेंगे-ही-मिलेंगे। रामसुखदासजी महाराज के एक अद्वितीय सन्त पत्र में लिखा है कि- “मैं शरणानन्दजी के भावों का ही प्रचार करता हूँ।”

Ek Adwitiya Sant PDF

Sadhak Sanjivani Points PDF

Ramsukhdasji's Serious Talk Video

भारत षट्दर्शन (छः दर्शन) के लिए प्रसिद्ध हैं, जिनमें देवी-देवताओं के प्रसंग व स्तुतियाँ हैं। परन्तु शरणानन्दजी महाराज का दर्शन सातवाँ दर्शन (मानव दर्शन) है, जिसमें मानव की स्तुति की गयी है। मानव जीवन की महिमा का वर्णन जितना व जिस प्रकार उनके दर्शन व साहित्य में किया गया है, वह अन्य किसी दर्शन व साहित्य में नहीं है। -रामसुखदासजी महाराज, तरुतले से

क्रांतदर्शी रामसुखदासजी महाराज शरणानन्दजी की अद्वितीय पुस्तकें सिरहाने रखकर सोते थे, निशान लगाकर पढ़ते थे और जगह-जगह सुरक्षित रखवाते थे। अर्थात आप भी रखिये और औरों के पास भी रखवाइये।

4

Video 1 — Challenge — Video 2

Challenge of Ramsukhdasji – Scan QR

शरणानन्दजी का निर्वाण दिवस 25.12.1974 ऐसा चमत्कारी था कि उस दिन क्रिसमस, ईद तथा गीताजयन्ती (मोक्षदा एकादशी) एक साथ थी।

Humanity's Own Sharnanandji

HEY NATH!!

SHARNANANDJI

www.swamisharnanandji.org

Vol-1 | Vol-2 | Vol-3 | Vol-4 | Vol-5

शरणानन्दजी की बातें सम्पूर्ण शास्त्रों का अन्तिम तात्पर्य है। - स्वामी रामसुखदासजी

Vol-6 | Vol-7 | Vol-8 | Vol-9 | Vol-10

PL. SCAN QR CODE — आत्मा की प्रतिध्वनि — PDF BOOKS IN HINDI

शरणानन्दजी की क्रांतिकारी विचारधारा में साधक को किसी के पदचिन्हों पर नहीं चलना है, अपितु निज विवेक के प्रकाश में रहना है अर्थात स्वाधीनता से अपनी आँखों देखना हैं, अपने पैरों चलना हैं। एक अंग्रेज़, एक अमेरीकन, एक रशियन, एक हिन्दू, एक बौद्ध, विभिन्न देशों और मतों के लोग एक साथ बैठकर जीवन के शुद्ध सत्य पर विचार कर सके इसलिए शरणानन्दजी की वाणी में एक-देशीय साधना की चर्चा कभी नहीं की जाती है। सर्वमान्य सत्य को देश, काल, मत, वर्ग, सम्प्रदाय, मज़हब का भेद छू नहीं सकता।

बिनय न मानत जलधि जड़ गए तीनि दिन बीति।
बोले राम सकोप तब भय बिनु होइ न प्रीति॥

विश्व-मित्र भारत यदि मानवता के नाते अस्त्र-शस्त्र से डराकर भी क्रांतदर्शी रामसुखदासजी के अवतरण सन्देश को विश्व विभु करता है तो यह एक प्रेरक क्रांति होगी। क्योंकि मज़हब सम्प्रदाय की उलझनें एक-मात्र शरणानन्दजी से ही सुलझेगी! जब शास्त्र के या परमात्मा के नाम पर आनेवाली पीढ़ी भटकेगी तो परमात्मा का और किसी धर्म विशेष का नाम लिए बिना "मानवता" की प्रतिष्ठा कर देना क्रान्तिकारी शरणानन्दजी की अपनी अभूतपूर्व विशिष्टता है।

हे नाथ!
मैं आपको भूलूँ नहीं।

यशोदा के मातृप्रेम की भाँती यदि रामसुखदासजी कनपटी पकड़कर, लाठी का डर दिखाकर भी विश्व के मौलवी, पादरी, पण्डित, कथाकार, वकत्ता आदि को शरणानन्दजी में लगाते, तो भी उनकी क्रांतदर्शी हितैषिता का कोई विरोध नहीं कर पाता। क्योंकि मानव-मात्र को एक-मत करनेवाले करण-निरपेक्ष सत्य अर्थात Universal Truth के बदले व्यक्ति/सम्प्रदाय के करण-सापेक्ष Personal Truth में फँसा प्राणी बालक ही तो है।

मानव-मात्र को 'एक-मत' करनेवाली 'एक-मात्र' क्रान्तिकारी-सन्तवाणी

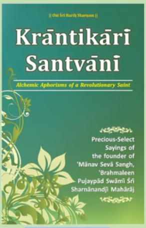

मानव-मात्र को 'एक-मत' करनेवाली 'एक-मात्र' क्रान्तिकारी-सन्तवाणी

श्री शरणानन्दजी महाराज एक अभूतपूर्व दार्शनिक सन्त हुए हैं। विश्व में उनके समान महान् विचारक मिलना दुर्लभ है! अध्यात्म-जगत् में उन्होंने अनेक नये-नये आविष्कार किए। उनके विचार किसी धर्म, मत, सम्प्रदाय, देश आदि में सीमित न होकर मानव मात्र के लिये हितकारक हैं। जिस समय संसार उनकी विचारधारा को जान लेगा, उस समय जगत् में एक क्रान्ति आ जायगी। - राजेन्द्र कुमार धवन, क्रान्तिकारी सन्तवाणी से

शरणानन्दजी की "एक महात्मा का प्रसाद" नामक पुस्तक गीताप्रेस से प्रकाशित हुई है।

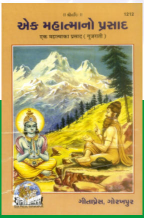

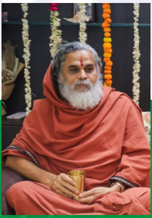

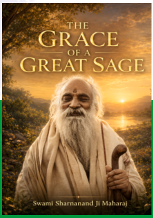

Gujarati pdf | Hindi pdf | Video Link | English pdf

इस ठोस विशुद्ध सत्य बातों से किसीकी भावना को ठेस पहुँचाना नहीं है, बल्कि गुरु निष्ठा है। KMSS C/o 79888 86115

www.swamisharnanandji.org

FREE FREE FREE FREE FREE FREE FREE FREE

प्राणी सेवा ही प्रभु पूजा है। हर घटना भगवान की लीला है दूरभाष C/o 79888 86115

PAN : AAAAK8986G

करनाल मानव सेवा संघ (रजि०)

नजदीक बस स्टैण्ड, पुराना जी.टी. रोड, करनाल-132 001 (हरियाणा)

दान दी गई राशि आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G(5) के अन्तर्गत आदेश संख्या 02 OF 2010-11 दिनांक 12.04.2010 आयकर से मुक्त है।

कार्य उसी का सिद्ध होता है जो दूसरों के काम आता है। सबल व निर्बल की एकता ही समाज का सुन्दर चित्र है।

रामसुखदासजी महाराज का अवतरण सन्देश आसमान से लेकर ब्रह्माण्ड (Galaxy) तक फैलाने के पवित्र उद्देश्य से ही यह संकीर्तन मशीन तथा क्रान्तिकारी पेम्प्लेट बनाया गया है।

150 Sankirtan Machine From Gondal

Door Delivery Freight Paid. Weight 26 KG

To

From: **Yogesh Modi (For KMSS) Mo: 98209 51911** 402/A, Pancham No.2, Iraniwadi Road No.2, Near Indian Bank, **Kandivali (W), Mumbai-400067**

शरणानन्दजी के समान मैं मानता नहीं हूँ किसी सन्त को। उनसे बढ़कर महात्मा मेरे को दिखता नहीं है। बड़े-बड़े दर्शन-दार्शनिक पण्डितों में भी हलचल मच जाएगी। ज्ञानयोग में, भक्तियोग में, कर्मयोग में अकाट्य बातें बताई है। छहों दर्शनों से निराला दर्शन है उनका। -रामसुखदासजी महाराज

चरित्र बल ही महान बल है। अभिमान ह्रास का मूल है। प्रभु कृपा का सहारा ही महान सहारा है।

FREE FREE FREE FREE FREE FREE FREE FREE